कक्षा 8
सामाजिक विज्ञान
सत्रवार पाठ्यक्रम
सत्र – प्रथम
प्रतिभा वर्ग
अप्रैल से सितम्बर 2018

विषय	विषयवस्तु	कियाकलाप	अधिगम संप्राप्ति
समाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ 1 भारतीय संविधान** किसी देश कों संविधान की आवश्यकता क्यों होती है। भारतीय संविधान, संविधान का महत्त्व,संघ एवं संसदीय शासन प्रणाली, शक्तियों का बँटवारा, धर्मनिरपेक्षता आादि विषयों की जानकारी।	• भारतीय संविधान में उल्लिखित मौलिक अधिकारों का चार्ट बनाना। • मौलिक अधिकारों से संबंधित चित्र, कविता, निबंध आदि अथवा कक्षा–कक्ष में चर्चा।	• भारत के संविधान के संदर्भ मे अपने क्षेत्र में समाजिक और राजनीतिक मुद्दों का विश्लेषण करते हैं। • मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों कों समुचित उदाहरणों से स्पष्ट करते हैं।
	पाठ 3 **हमें संसद क्यों चाहिए** 1. लोगों को फैसला क्यों लेना चाहिए? 2. लोग एवं उनके प्रतिनिधि। 3. संसद की भूमिका। 4. संसद मे कौन लोग होते हैं।	• कक्षा में नेता चयन की प्रकिया।	• राज्य एवं केन्द्र सरकार के बीच अंतर को समझ पाते हैं। • लोकसभा के चुनाव की प्रकिया का वर्णन कर पाते हैं। • राज्य, संघशासित प्रदेश के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पहचान पाते हैं और स्थानीय सांसद का नाम बता पाते हैं।
	पाठ 5 न्यायपालिका स्वतंत्र न्यायपालिका, भारत में अदालतों की संरचना, विधि व्यवस्था की शाखाएँ, क्या प्रत्येक व्यक्ति अदालत की शरण में जा सकता है।	• पाठ्य–पुस्तक पृष्ठ 65 पर दिए गए पोस्टर का निर्माण कार्य।	• भारत मे न्यायिक प्रणाली की कार्यविधि का प्रमुख मामलों मे उदाहरण देकर वर्णन कर सकते हैं।
	पाठ 6 **हमारी अपराधिक न्याय प्रणाली** अपराध की जाँच में पुलिस की भूमिका, प्रथम सूचना रिपोर्ट(F.I.R), न्यायधीश की भूमिका, निष्पक्ष सुनवाई क्या होती है। बचाव पक्ष के वकील की क्या भूमिका होती है।	• कक्षा में किसी मुकदमें का रोल प्ले करना।	• प्रथम सूचना रिपोर्ट (F.I.R) किस प्रकार दर्ज होती है व उसकी प्रकिया को समझ पाते हैं।

संसाधन एवं विकास	**पाठ –1 संसाधन** संसाधन के प्रकार, संसाधनों का संरक्षण, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधन, मानव संसाधन एवं सतत् पोषणीय विकास की जानकारी देना।	• अपने घर और अपनी कक्षा में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों की सूची बनवाना, उन्हें प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधनो में वर्गीकृत कराना।	• प्राकृतिक संसाधनों जल, मृदा, वन आदि के न्यायोचित प्रयोग को समझ पाते हैं। उनके वितरण व विकास की समझ को बढ़ा पाते हैं।
	पाठ 2 भूमि, मृदा, जल प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीव संसाधन भूमि,भूमि उपयोग एवं संरक्षण। मृदा, मृदा निर्माण के कारक, मृदा का निम्नीकरण एवं संरक्षण के उपाए। जल उपलब्धता की समस्याएँ एवं जल संसाधनों का संरक्षण प्राकृतिक वनस्पति का वितरण एवं वन्य जीवों का संरक्षण	• जल संरक्षण के बारे में पोस्टर का निर्माण कराना या कहानी कविता निबंध आदि लिखवाना।	• वनों की आग, भूस्खलन, औद्योगिक आपदाओं के कारणों और उनके जोखिमों को कम करने के उपायों का वर्णन कर सकते हैं।
हमारे अतीत III **भाग I**	**पाठ 1** **कैसे,कब और कहाँ** तारीखें कितनी महत्वपूर्ण होती हैं। हम किस तरह जानते हैं। तारीखों का महत्त्व, अवधि कैसे तय की जाती हैं, औपनिवेशिक शासन क्या होता है? प्रशासन किस प्रकार अभिलेख तैयार करता है? सर्वेक्षण तथा रिकॉर्ड के संबंध मे जानकारी देना।	**गतिविधि:** अपनी माँ या परिवार के अन्य सदस्यों से बात करके उनके जीवन के बारे में पता लगाएँ। अब उनके जीवन को अलग अलग काल खंडों में बाँटिए व प्रत्येक अवधि की महत्त्वपूर्ण घटनाओं की सूची बनाइए।	• इतिहास जाननें के स्रोत उनका इस्तेमाल भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रयुक्त नामावली और व्यापक बदलावों के आधार पर आधुनिक, मध्य और प्राचीन काल में अंतर कर पाते हैं।
	पाठ 2 व्यापार से साम्राज्य तक पूर्व में ईस्ट इण्ड़िया कम्पनी का आना। कम्पनी का फैलता शासन। नए शासन की स्थापना। ईस्ट इण्डिया कम्पनी का फैलता शासन। ईस्ट इण्ड़िया कम्पनी बंगाल मे व्यापार शुरू करती है, व्यापार से युद्धों तक, प्लासी का युद्ध, कम्पनी के अफसर नवाब बन बैठे, कम्पनी का फैलता शासन, टीपू सुल्तान – शेर – ए – मैसूर, मराठों से लडाई, विलय नीति, नए शासन की स्थापना, कम्पनी की फौज के विषय में जानकारी।	निम्नलिखित व्यक्तियों मे से किसी एक के बारे में कहानी या कविता की सूचना एकत्रित करें। • झाँसी की रानी • हैदर अली • महाराजा रणजीत सिंह • लार्ड डलहौजी	• इंग्लिश ईस्ट इंड़िया कम्पनी कैसे सबसे प्रभावशाली शक्ति बन गई, यह व्यक्त कर पातें है।
	पाठ – 3 **ग्रामीण क्षेत्र पर शासन करना।** कम्पनी दीवान बन गई। यूरोप के लिए फसलें, नील विद्रोह और उसके बाद कम्पनी की आमदनी, खेती में सुधार की जरूरत,समस्या व नई व्यवस्था, मुनरों व्यवस्था, रंग का इतिहास, भारतीय नील की माँग, भारत में ब्रिटेन की बढ़ती दिलचस्पी।	• चम्पारण आंदोलन और उसमें महात्मा गाँधी की भूमिका के बारे में खोजिए और लिखिए।	• देश के विभिन्न क्षेत्रों मे औपनिवेशिक कृषि नीतियों के अंतर बता पातें हैं। जैसे नील विद्रोह आदि।

	पाठ – 5 **जब जनता बगावत करती है।** नीतियाँ और लोग। सैनिक विद्रोह जन विद्रोह बन गया। विद्रोह के बाद के साल। सन् 1857 और उसके बाद के विद्रोहों की जानकारी देना, 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्रों के बारे में विद्यार्थियों कों बताना	• 1857 के विद्रोह से संबंधित चित्र एवम् जानकारी संग्रहित कर फाइल बनाना। • मानचित्र कार्य(पाठ से संबंधित)	• 1857 के विद्रोह की शुरूआत, प्रकृति और फैलाव और इससे मिले सबक को राष्ट्रीय आंदोलन के आधार व प्रारंभ के तौर पर समझ सकेंगे।

सत्र।।
अक्टूबर से मार्च (2018–19)

विषय	विषयवस्तु	क्रियाकलाप	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ 7 हाशियाकरण की समझ** आदिवासी कौन लोग हैं? अल्पसंख्यक और हाशियाकरण, मुसलमान और हाशियाकरण, हाशियाकरण का आशय, आदिवासी,अल्पसंख्यक और हाशियाकरण, सामाजिक रूप से हाशियाकरण की समस्या को बताना।	• पृष्ठ संख्या 81,82 पर दी गई नाटिका का मंचन किया जा सकता है।	• अपने क्षेत्र में उपलब्ध सुविधाओं, वंचित वर्गो की उपेक्षा के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कर सकेंगें।
	पाठ 8 हाशियाकरण से निपटना मौलिक अधिकारों का उपयोग। हाशियाई तबकों के लिए कानून बनाना। दलित और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा। आदिवासियों की मांगें और 1989 का अधिनियम, हाशियाकरण को निपटाने के लिए कानून का प्रावधान, मौलिक अधिकारों का उपयोग, अत्याचार निवारण अधिनियम 1989	• मौलिक अधिकारों (समानता के अधिकार) से संबंधित चार्ट बनवाना।	• मौलिक अधिकारों के महत्व को जान सकेगें। • हाशियाई तबकों के अधिकारों और उनकी मानवीय गरिमा को सुरक्षित रखने के कानूनों को जान सकेगें।
	पाठ 9 जन सुविधाएँ चेन्नई के लोग और पानी, जीवन के अधिकार के रूप में पानी जनसुविधाओं मे सरकार की भूमिका चेन्नई में पानी की आपूर्ति, विकल्पों की तलाश, जनसुविधाएँ जैसे जल, बिजली तथा नए विकल्पों की तलाश, जन सुविधाओं की उपलब्धता में सरकार की भूमिका।	• कोई पाँच जनसुविधाओं से सम्बन्धित चार्ट बनवाना।	• पानी, सफाई, सड़क, बिजली आदि जन सुविधाएँ उपलब्ध कराने में सरकार की भूमिका समझ जाएँगें। • आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने में सरकार की भूमिका को समझ सकेंगें।

	पाठ 10 कानून और सामाजिक न्याय एक मजदूर की कीमत क्या होती है। सुरक्षा कानूनों का क्रियान्वयन। पर्यावरण की रक्षा के लिए कानून, बाल एवं संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानून एवम् संरक्षण, सुरक्षा कानून तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की जानकारी	• पर्यावरण एवं बाल संरक्षण से संबंधित रोल – प्ले।	• पर्यावरण संबंधी कानूनी, संरक्षण और उनका उल्लंघन, अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में समझ सकेगें।
संसाधन एवं विकास	**पाठ 3 खनिज और शक्ति संसाधन** खनिजों के प्रकार एवं वितरण, खनिजों का उपयोग एवं संरक्षण, ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर – परम्परागत स्रोत	• दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले ऊर्जा के साधनों और खनिजों के प्रकार, वितरण, उपयोग एवं संरक्षण की जानकारी।	• महत्त्वपूर्ण खनिजों जैसे – कोयला तथा खनिज तेल के वितरण को विश्व मानचित्र पर दर्शा सकेंगे।
	पाठ 5 उद्योग उद्योगों का वर्गीकरण, उद्योगों को प्रभावित करने वाले कारक, औद्योगिक तंत्र एवं प्रदेश, प्रमुख उद्योगों का वर्गीकरण, स्थिति तथा उद्योगों के वितरण से संबंधित जानकारी।	• पाठ से संबंधित मानचित्र कार्य, प्रमुख उद्योग केन्द्रो को विश्व मानचित्र पर दिखाना • विभिन्न प्रकार के वस्त्रों के टुकड़ों को इकट्ठा करना, तथा उन्हें वर्गीकृत(सूती वस्त्र, ऊनी, रेशमी) करके कॉपी पर लगाना।	• विभिन्न उद्याोगों को कच्चे माल, आकार तथा स्वामित्व के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों में वर्गीकृत कर पाऐंगें।
इतिहास **हमारे अतीत ।।।** **भाग 2**	**पाठ – 7 बुनकर, लोहा बनाने वाले और फैक्ट्री मालिक** भारतीय कपडे और विश्व बाजार, टीपू सुल्तान की तलवार और वुट्ज स्टील औपनिवेशिक शासन के दौरान बुनकर, लोहा बनाने वालों की स्थिति, पत्तन एवं इस्पात कारखानों की जानकारी।	• मानचित्र कार्य 18वीं शताब्दी के अंत मे बुनाई के मुख्य केन्द्र।	• अंग्रेजी शासन के दौरान बुनाई के परम्परागत केन्द्रों का पतन व नए उत्पन्न केन्द्रो के अभ्युदय की पहचान कर पाऐंगें।
	पाठ 8 **देशी जनता को सभ्य बनाना, राष्ट्र को शिक्षित करना** अंग्रेज,शिक्षा को किस तरह देखते थे? स्थानीय पाठशालाओं को क्या हुआ। राष्ट्रीय शिक्षा की कार्यसूची। राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में टैगोर एवं गाँधी की भूमिका, प्राच्यवाद की परम्परा, व्यवसाय की शिक्षा, अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली एवं भारतीय शिक्षा से संबंधित जानकारी देना, टैगोर का शांतिनिकेतन।	• अपने दादा –दादी, नाना –नानी या बुजुर्गों से उनकी शिक्षा सम्बन्धी बातचीत कर नोट करना। • कक्षा में महात्मा गाँधी की बेसिक शिक्षा और मैकाले की अंग्रजी शिक्षा पर वाद– विवाद आयोजित करवाना।	• भारत मे नई शिक्षा नीति के संस्थानीकरण के बारे में बता पाऐंगे।

	पाठ 11 **राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन 1870 के दशक से 1947 तक** • राष्ट्रवाद का उदय • जनराष्ट्रवाद का उदय • दांडी मार्च • भारत छोडो आंदोलन और उसके बाद राष्ट्रवाद और जनराष्ट्रवाद का उदय • रॉलट एक्ट, सत्याग्रह, खिलाफत और असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च • भारत छोड़ो आंदोलन। • 1870 से 1947 तक महात्मा गाँधी के तथा अन्य आंदोलनों के विषयों पर चर्चा।	• 1870 से 1947 तक चलने वाले विभिन्न राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित विषयों पर कक्षा में चर्चा करवाना।	• 1870 के दशक से लेकर आजादी तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की रुपरेखा का टाइमलाइन में वर्णन कर सकेंगें। • राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का विश्लेषण कर सकेंगे।

पुनरावृत्तिः

निम्नलिखित पाठों का मूल्याकंन वार्षिक परीक्षा में भी किया जाऐगा।

- पाठ – 3 हमें संसद क्यों चाहिए।(सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन)
- पाठ – 2 भूमि, मृदा वन प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन संसाधन (संसाधन एवं उनका विकास)
- पाठ – 5 जब जनता बगावत करती है। (हमारे अतीत ।।। भाग – 1)

नोटः

अध्यापक के लिएः

- संपूर्ण पाठ्यक्रम को जनवरी तक पूर्ण किया जाए।
- मानचित्र, चित्रों एवं बॉक्स में दी गई सूचना कों ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- अध्यापकों के लिए दी गई प्रस्तावना एवं सूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- पाठ्यक्रम में दिए गए क्रियाकलाप केवल सुझावात्मक हैं, अध्यापक अन्य क्रियाकलाप भी करवाएँ जा सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए संदर्भ लिंकों को इंटरनेट पर खोजें।

विधार्थियों के लिएः

- पाठगत मानचित्रों का नियमित अभ्यास करें।
- अपनी कॉपी में भारत एवं विश्व का रंगीन मानचित्र संलग्न करें।
- पारिभाषिक शब्दावली को पाठ के आरम्भ में लिखें।
- समाचार पत्र एवं संदर्भग्रंथों कों विद्यालय पुस्तकालय सें लेकर पढ़ें।
- टी.वी एवं रेडियो पर नियमित रूप सें समाचारों को सुनें।
- पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए संदर्भ लिंकों को इंटरनेट पर खोजें।